Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ वैभव लक्ष्मी उद्यापन विधि ॥

॥ जय माँ वैभव लक्ष्मी ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ अंतिम शुक्रवार की तैयारी ॥

संकल्प में निश्चित शुक्रवार पूरे होने पर अंतिम शुक्रवार को उद्यापन करने की प्रचलित रीति है। 11 या 21 शुक्रवार के बाद यह किया जाता है; संख्या परिवार के संकल्प के अनुसार बदल सकती है। पहले से पूजा और अतिथियों की व्यवस्था कर लें।

आवश्यक सामग्री

माता लक्ष्मी का चित्र, श्रीयंत्र यदि हो, चौकी, कपड़ा, जलपात्र, फूल, हल्दी-कुमकुम, अक्षत, दीप, नैवेद्य, कथा पुस्तक और आरती रखें। भेंट के लिए कुछ व्रत कथा पुस्तिकाएँ तथा प्रसाद या छोटा उपहार अपनी सामर्थ्य के अनुसार जुटाएँ।

आमंत्रण

कई घरों में सात स्त्रियों को प्रसाद और कथा पुस्तिका भेंट की जाती है; कहीं 11 या 21 का चलन है। आमंत्रण सम्मानपूर्वक दें। पर्याप्त पुस्तिकाएँ न मिलें तो कथा की पठनीय प्रति साझा करने की स्थानीय रीति पूछें।

भोग में खीर या अन्य मिठाई रख सकते हैं। अतिथियों के भोजन की व्यवस्था हो तो उनकी पसंद, एलर्जी और सहजता का ध्यान रखें। बड़ी सजावट या खर्च उद्यापन की शर्त नहीं है।

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ पूजा और समापन का क्रम ॥

१. नियमित पूजा दोहराएँ

स्वच्छ स्थान पर माता का चित्र और कलश स्थापित करें। आभूषण या मुद्रा प्रतीक रूप में रखकर फूल, कुमकुम, अक्षत और दीप अर्पित करें। संकल्प के शुक्रवार पूरे होने का स्मरण कर माता को धन्यवाद दें।

२. कथा, आरती और नैवेद्य

वैभव लक्ष्मी व्रत कथा पढ़ें या सुनें। लक्ष्मीजी की आरती करें और खीर, मिठाई या घर का उपलब्ध मीठा प्रसाद चढ़ाकर सबमें बाँटें। परिवार की रीति में हो तो नारियल भी अर्पित करें।

३. पुस्तक और प्रसाद भेंट

आमंत्रित स्त्रियों को कुमकुम लगाकर आदर से व्रत कथा की पुस्तिका, प्रसाद और क्षमता अनुसार छोटा उपहार दें। यदि भोजन रखा है तो सम्मानपूर्वक परोसें। अंत में सबके कल्याण की प्रार्थना करके उद्यापन पूरा करें।

उद्यापन में संख्या और भेंट की वस्तुएँ क्षेत्र के अनुसार बदलती हैं। उसका मुख्य भाव संकल्प की पूर्णता पर कृतज्ञता, प्रसाद बाँटना और कथा साझा करना है।

॥ जय माँ वैभव लक्ष्मी ॥